

प्रेषक,

डी०एस० गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 28 अप्रैल, 2015

विषय-अर्द्ध कुम्भ मेला- 2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत गोरी शंकर सेक्टर में एक नग
अन्तः श्रोतकूप का निर्माण।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक मेलाधिकारी, हरिद्वार के पत्र संख्या-236/अ०कु०मे० /गौरीशंकर वेल, दिनांक 15.04.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ अर्द्ध कुम्भ मेला- 2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत गोरी शंकर सेक्टर में एक नग अन्तः श्रोतकूप का निर्माण के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड पेयजल निगम द्वारा उपलब्ध कराये गये रु० 75.00 लाख के आगणन के सापेक्ष विभागीय टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरांत औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु० 57.144 लाख तथा रु० 6.83 लाख के कार्य "उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008" के अनुसार कराये जाने पर अर्थात् कुल रु० 71.96 लाख के कार्य "उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008" के अनुसार कराये जाने एवं सेंटेज धनराशि रु० 7.996 लाख (12.5 प्रतिशत) पर अर्थात् कुल 71.97 लाख के आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये समस्त धनराशि रु० 71.97 लाख हरिद्वार विकास प्राधिकरण के पी०एल०ए० में उपलब्ध गत महाकुम्भ मेला, 2010 की धनराशि में से आहरित करते हुए व्यय किए जाने की भी सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (ii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।

44

- (v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (viii) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एमओओयू कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (ix) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।
- (x) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था एवं मेलाधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- (xi) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण मेलाधिकारी, हरिद्वार द्वारा किया जाएगा।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।

3- टीओसीओ द्वारा संस्तुत आगणन की प्रति आपको इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि कृपया टीओसीओ द्वारा जिन-जिन निर्माण कार्यों में परीक्षणोपरान्त धनराशि इंगित की गयी है, उसके अनुरूप निर्माण कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

4- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय हेतु धनराशि हरिद्वार विकास प्राधिकरण के पीओएलओ में उपलब्ध गत महाकुम्भ मेला, 2010 की धनराशि में से आहरित की जाएगी।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-47/XXVII(2)/15, दिनांक 22 अप्रैल, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोपरि।

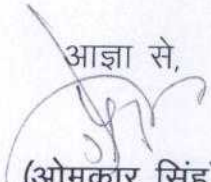
भवदीय,

(डीओएस गब्याल)
सचिव।

संख्या- 594 (1)/IV-3/2015-4(12)/2015, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. अपर मुख्य सचिव, पेयजल विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. मेलाधिकारी, हरिद्वार।
5. उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार।
6. मुख्य अभियन्ता/नोडल अधिकारी, पेयजल निगम, देहरादून।
7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल निगम, हरिद्वार।
9. अधिशासी अभियन्ता, पेयजल निगम, हरिद्वार।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
11. वित्त अनु0-2
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ओमकार सिंह)
संयुक्त सचिव।